हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, शनिवार, 4 अक्टूबर 2025

तापमान

अधिकतम 34.0 डिग्री
न्यूनतम 20.4 डिग्री

11 सैनिक स्कूल में स्वच्छता ही सेवा थीम के साथ चलाया अभियान, कचरा प्रबंधन व सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन पर फोकस

12 कच्चे कर्मचारी बनाए गए थे मोहरा, टीसी ऑफिस तक पहुंची थी जांच

खबर संक्षेप

कर्मशाला में मां शेरावाली का जागरण आज

रेवाड़ी। रोडवेज कर्मशाला में 4 अक्टूबर की रात मां शेरांवाली के जागरण का आयोजन किया जाएगा। इससे अगले ही दिन वर्कशॉप परिसर में भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। कर्मचारी नेता यशपाल यादव ने बताया कि रोडवेज कर्मियों की ओर से हर साल माता का जागरण व भंडारा कराया जाता है। इस मौके पर जीएम निरंजन शर्मा मुख अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। उन्होंने आमजम से अपील की है कि वह अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करें व जागरण में माता के भजनों का आनंद उठाएं।

अवैध शराब बेचने का आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने मसानी में अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि मसानी गांव में रहने वाला मूल रूप से महेंद्रगढ़ की दीवान कॉलोनी निवासी ओमप्रकाश अवैध शराब बेचने का धंधा करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर छापेमारी की, तो उसके कब्जे से 58 पव्वे शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया।

दहेज उत्पीड़न मामले में पति गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। कई बार काउंसलिंग कराने के बाद भी बातचीत सिरे नहीं चढ़ी तो पुलिस ने 11 अगस्त को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। जांच के बाद इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के उटावड़ा निवासी शमशेर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विवाहिता का पति है, जिसे बाद में पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद फरार वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 5 सितंबर को हुए हादसे के बाद फरार वाहन चालक देवास निवासी अंकित को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में तीन लोग घायल हो गए थे। घायलों को आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया था। बाद में पुलिस ने एक घायल मुकेश के बयान पर केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने वाहन चालक यूपी के मदरोठ निवासी मुस्ताक को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। गांव नाराणपुर में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में रामपुरा थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ति के बयान पर 29 सितंबर को आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ति ने मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने नाराणपुर निवासी कपिल को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले में तीन लोग गिरफ्तार

कुंड। पुलिस ने क्षेत्र के कुंडल गांव में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर 29 सितंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। उसने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे।

मार्केट कमेटी के सरकारी क्वार्टर

करीब आठ महीने में पूरा होगा चारदीवारी का निर्माण कार्य

पुरानी अनाजमंडी की दशा सुधारने का काम शुरू
1.75 करोड़ से बनेगी आरसीसी पिलरों की चारदीवारी

हेमंत शर्मा ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा राज्य विपणन बोर्ड से बजट स्वीकृत होने के बाद नई अनाज मंडी परिसर की दशा सुधारने का कार्य शुरू कर दिया गया है। करीब 45 साल पुरानी अनाज मंडी की लंबे समय से जर्जर चारदीवारी के नवीनीकरण व मार्केट कमेटी के सरकारी क्वार्टरों की मरम्मत के लिए टेंडर कर दिए गए है। अनाजमंडी की चारों तरफ की चारदीवारी के नव निर्माण के लिए 1 करोड़ 75 लाख का बजट स्वीकृत किया गया है, जबकि करीब 1.25 करोड़ रुपये की लागत से अनाजमंडी के सचिवालय रोड पर स्थित सरकारी क्वार्टरों की मरम्मत

करीब 1.25 करोड़ से मार्केट कमेटी के क्वार्टरों की भी होगी मरम्मत

करके दशा सुधारने का कार्य किया जाएगा। अनाजमंडी की चारदीवारी के कार्य को पूरा करने में करीब 6 से 8 महीने का समय लगेगा, जिसका कार्य शुरू किया जा चुका है, जबकि सरकारी क्वार्टरों की मरम्मत का कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा।

करीब 45 साल पुरानी अनाज मंडी की लंबे समय से जर्जर चारदीवारी के नवीनीकरण व मार्केट कमेटी के सरकारी क्वार्टरों की मरम्मत के लिए टेंडर हो चुके चारी

रेवाड़ी। अनाजमंडी की नई चारदीवारी के लिए नींव खोदते मजदूर। फोटो :हरिभूमि

तोड़ी गई चारदीवारी व अड़चन बने पेड़

चारदीवारी में अड़चन बन रहे पेड़ कटेंगे

अनाजमंडी की चारदीवारी में जगह-जगह ऊगे पेड़ भी अड़चन बन रहे है। काफी बड़े पेड़ों की जड़ें फैलने से भी चारदीवारी में जगह-जगह दरार आने से जर्जर अवस्था हो गई थी तथा दीवार झुकने के साथ गिर भी चुकी थी। मार्केटिंग बोर्ड के जेई आशुतोष ने बताया कि चारदीवारी बनाने में अड़चन पैदा कर रहे पेड़ों को कटवाने के लिए मार्केट कमेटी सचिव नरेन्द्र यादव के माध्यम से वन विभाग को पत्र लिखा गया है। मंजूरी मिलने पर पेड़ भी हटाए जाएंगे।

मार्केट कमेटी के 20 क्वार्टरों की होगी मरम्मत

नई अनाजमंडी के मुख्य द्वार व नेहरू पार्क के साइड की चारदीवारी जगह-जगह से जर्जर हालत में थी तथा कई जगह से दीवार बरसात के दौरान गिर भी चुकी थी। इसके अलावा भाड़ावास रोड साइड की चारदिवारी का आरओबी के निर्माण कार्य के कारण जगह-जगह से तोड़ दिया गया था। मार्केटिंग बोर्ड के जेई आशुतोष ने बताया कि अनाज मंडी की करीब 1500 मीटर लंबी व 7 फीट ऊंची चारदीवारी बनाने के लिए 1 करोड़ 75 लाख रुपए की राशि मंजूर की गई है और इसके साथ ही सरकारी क्वार्टरों की मरम्मत के लिए भी करीब 1.25 करोड़ रुपये का टेंडर छोड़ा गया है। अनाजमंडी के सचिवालय रोड स्थित 20 क्वार्टरों की मरम्मत की जाएगी।

आरसीसी पिलरों से दी जाएगी मजबूती

वर्तमान में अनाजमंडी की चारदीवारी करीब 5 फीट की बनी हुई थी, जोकि लंबे समय से जर्जर अवस्था में थी तथा कई जगह से गिर भी चुकी थी। अब नई चारदीवारी बनाने के लिए बाकी बची पुरानी दीवारों को तोड़ने का कार्य शुरू हो चुका है। साथ ही ठेकेदार की ओर से नई चारदीवारी के लिए नींव भी खोदनी शुरू कर दी है। करीब 4 से 5 दिन में नई दीवार बनाने का कार्य शुरू हो जाएगा। इस बार अनाजमंडी की चारदीवारी करीब 7 फीट ऊंची बनाई जाएंगी, जिसमें बीच-बीच में मजबूती के लिए लोहें के सरियों से युक्त आरसीसी के पिलर बनाए जाएंगे।

छह माह का समय निर्धारित किया

अनाजमंडी की नई चारदीवारी के नवीनीकरण के टेंडर हो चुके है। ठेकेदार की ओर से खुदाई का कार्य शुरू किया जा चुका है। चारदीवारी बनाने के लिए 6 माह का समय निर्धारित किया गया है। इसके अलावा मार्केट कमेटी के अधीन 20 सरकारी क्वार्टरों की मरम्मत का कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा।
आशुतोष, जेई, मार्केटिंग बोर्ड, रेवाड़ी।

कोसली थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज

भारी मात्रा में स्मैक के साथ बस से महिला पकड़ी

■ वजन कराने पर स्मैक की मात्रा 80 ग्राम पाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

सीआईए कोसली की टीम ने बस में सफर कर रही एक महिला के कब्जे से भारी मात्रा में स्मैक बरामद की है। आरोपी महिला को गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ कोसली थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कराया गया है।

सीआईए को सूचना मिली थी कि रेवाड़ी के सेक्टर-1 में रहने वाली मूल रूप से धामलाका निवासी निर्मला बस में नशीला पदार्थ लेकर जा रही है। सूचना मिलने के बाद सीआईए की टीम ने एक पेट्रोल पंप के पास नाकेबंदी कर दी। पुलिस ने वहां आ रही एक बस को रुकवाकर महिला की ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में तलाशी ली, तो उसके पास नशीला पदार्थ स्मैक मिला। वजन कराने पर स्मैक की मात्रा 80 ग्राम पाई गई। पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार करने के बाद कोसली थाने में केस दर्ज करा दिया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी महिला निर्मला। फोटो :हरिभूमि

ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच देना समय की आवश्यकता

> खेलों से युवाओं का शारीरिक व मानसिक विकास होता है, साथ ही उनमें अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का निर्माण होता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डहीना

डहीना स्थित खेल स्टेडियम में दशहरा के पर्व पर आयोजित खेल प्रतियोगिताओं का शुक्रवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण अंचल के सैकड़ों खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पार्षद एडवोकेट जीवन हितैषी ने किया। इस मौके पर एडवोकेट जीवन ने कहा कि ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच देना समय की आवश्यकता है।

रेवाड़ी। अतिथियों के साथ कबड्डी के खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

कुश्ती में अलग-अलग भार वर्गों में खिलाड़ियों ने अपना दम दिखाया

खेलों से युवाओं का शारीरिक व मानसिक विकास होता है, साथ ही उनमें अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का निर्माण होता है। इस मौके पर एथलेटिक्स प्रतियोगिता 100, 200, 400, 800, 1600 व 5000 मीटर दौड़ में खिलाड़ियों ने अपनी गति व कौशल का प्रदर्शन किया। कुश्ती प्रतियोगिता में अलग-अलग भार वर्गों में खिलाड़ियों ने अपना दम दिखाया। क्रिकेट प्रतियोगिता में दर्शकों ने खूब आनंद लिया। ऊंची कूद और लंबी कूद के मुकाबले काफी रोचक रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मदन लुहाना और सुरेश बव्वा ने विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर विशाल यादव, पंकज राव, हरिश यादव, शक्ति यादव व ऋषि भारद्वाज सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आकर श्रमिक की मौत

■ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जैसलमेर नेशनल हाइवे पर शुक्रवार सायं भालखी माजरा के पास तेज रफ्तार कार की चपेट में आकर एक फैक्ट्री श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया। लगभग 50 वर्षीय मूल रूप से यूपी निवासी महेंद्र भालखी माजरा के पास स्लेट पत्थर की फैक्ट्री में कई साल से श्रमिक का कार्य करता था। शुक्रवार को शाम के समय वह किसी काम से माजरा गांव की ओर जा रहा था। नेशनल हाइवे क्रॉस करते समय वह एक टाटा नैक्शन कार की चपेट में आ गया।

रेवाड़ी। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों की भीड़। फोटो :हरिभूमि

कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। चालक ने कार रोककर पहले उसे देखा। जब उसे लगा कि कार के आगे आने वाले व्यक्ति की मौत हो गई है, तो उसने कार सहित भागने का प्रयास किया। इसी दौरान मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने चालक को नहीं रोक लिया। सूचना मिलने के बाद कुंड चौकी से पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को सामान्य अस्पताल भिजवा दिया। कार चालक के खिलाफ केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

ट्रांसफार्मर से तेल व अन्य सामान चोरी कर ले गए चोर

कोसली। मुंदड़ा गांव में चोर एक किसान के खेत में लगे बिजली ट्रांसफार्मर से तेल व अन्य सामान निकालकर ले गए। बिजली वितरण निगम कोसली के कनिष्ठ अभियंता अजय कुमार ने कोसली पुलिस को शिकायत देकर मामला दर्ज कराया है। कनिष्ठ अभियंता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चोर बुधवार मुंदड़ा गांव के किसान राममेहर के ट्यूबवैल के लिए जयबीर के खेत में लगे 25 केवी के ट्रांसफार्मर को एच पोल से नीचे गिराकर तेल व अन्य सामान चोरी कर ले गए।

नशीला पदार्थ गांजा सप्लाई करने का आरोपी काबू

रेवाड़ी। सीआईए ने नशीला पदार्थ गांजा बेचने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। गत 22 सितंबर को मॉडल टाउन थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि माजरा गुरदास निवासी पारस नशीला पदार्थ बेचने का धंधा करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने टीम बनाकर आरोपी को काबू कर लिया था। उसके कब्जे से 26 ग्राम गांजा बरामद किया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया था कि नशीला पदार्थ ढालियावास निवासी इंद्रजीत ने मुहैया कराया था। इसके बाद सीआईए ने वीरवार की रात इंद्रजीत को भी गिरफ्तार कर लिया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी इंद्रजीत।

तापमान में गिरावट के बावजूद उमस ने किया परेशान, पांच दिन तक मौसम परिवर्तनशील रहेगा

दोपहर तक गर्मी ने छुड़ाए पसीने, शाम को फिर गहराए बादल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एक दिन पहले जिले के कई भागों में हुई बरसात के बाद आसमान साफ होते ही गर्मी का असर बढ़ गया। हालांकि तापमान में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन उमस बढ़ने से दिन के समय गर्मी ने जमकर परेशान किया। अगले पांच दिनों तक मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। इस दौरान 6 अक्टूबर को अच्छी बारिश की संभावना जताई जा रही है। शुक्रवार को सुबह से ही आसमान साफ रहने के कारण तेज धूप खिली रही। इससे पूर्व वीरवार

शुक्रवार को सुबह से ही आसमान साफ रहने के कारण तेज धूप खिली रही

सायं जिले के कई भागों में अच्छी बारिश हुई थी। अधिकतम तापमान 1.5 डिग्री की गिरावट के साथ 34.0 डिग्री पर आ गया। रात का तापमान 0.1 डिग्री की मामूली कमी के साथ 20.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दिन में 10 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। हवा में नमी का स्तर 66 प्रतिशत तक रहा। दोपहर बाद तक उमस भरी गर्मी पसीना छुड़ाती रही।

रेवाड़ी। शुक्रवार शाम को आसमान में छाए बरसात के बादल। फोटो :हरिभूमि

सरसों की बिजाई की तैयारी कर रहे किसान

जिन इलाकों में दो दिन पूर्व अच्छी बारिश हुई है, वहां किसानों ने सरसों की बिजाई शुरू कर दी है। कुछ इलाकों में अगेती सरसों की बिजाई हो चुकी है। इस बार 75 हजार हेक्टेयर भूमि पर सरसों की बिजाई का लक्ष्य रखा गया है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह सरसों की बिजाई का उपयुक्त समय है। किसान 20 अक्टूबर तक सरसों की बिजाई कर सकते हैं। जिन इलाकों में बारिश नहीं हुई है, वहां किसान अभी भी बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना

शाम के समय आसमान में बादल गहराने से मौसम के तेवर ठंडे पड़ गए। मौसम विभाग के अनुसार 4 अक्टूबर को भी आसमान में बादल गहरा सकते हैं। 6 अक्टूबर को हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में मौसम साफ होने का अनुमान लगाया जा रहा है। अगले सप्ताह रात के तापमान में कमी आने की संभावना है, जिससे मीठी ठंड का असर शुरू हो जाएगा। दिन के तापमान में कमी आने में अभी कुछ दिन का समय और लग सकता है।

ड्राई-डे पर बेची जा रही थी शराब, पुलिस ने ठेका किया सील

रेवाड़ी। गत 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर ड्राई-डे होने के बावजूद एक ठेके पर शराब बेची जा रही थी। पुलिस ने मौके पर जाकर शराब ठेके को सील कर दिया। गांधी जयंती के दिन शाम के समय पटौदी रोड डबल फाटक के निकट एक शराब के ठेके के सामने पर्दा लगाकर शराब बेची जा रही थी। सूचना मिलने के बाद थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंच गई। सेल्समैन मौका पाकर फरार हो गया। पुलिस ने एक्साइज विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाया। इसके बाद शराब ठेके को सील कर दिया गया।

■ पुलिस मौके पर पहुंची सेल्समैन मौका पाकर फरार हो गया

तोते और मॉकिंगबर्ड जैसे पक्षी इंसानों की बातों या अन्य आवाजों की नकल कर सकते हैं।

हमिंगबर्ड एकमात्र ऐसा पक्षी है जो पीछे की ओर उड़ सकता है।

ग्राफिक डिजाइनर बन चमकाएं अपना करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

विद्यार्थी जीवन से ही व्यक्ति को अपने करियर को लेकर चिंता सताने शुरू हो जाती है। हर विद्यार्थी अपने भविष्य को सुरक्षित और उच्च पद पर नौकरी हासिल करके सवारना चाहता है। व्यक्ति के लिए नौकरी हासिल करने की एक इच्छा होती है। वर्तमान समय में लोगों के सामने कैरियर बनाने की बहुत सारे अवसर उपलब्ध होते हैं। करियर बनाने के लिए व्यक्ति अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी रुचि के अनुसार प्रयास करते हुए बेहतरीन करियर बना सकता है। डिजाइन बनने का एक सुनहरा मौका आज के समय में विद्यार्थियों के लिए काफी प्रचलित करियर ऑप्शन माना जाता है।

क्या है ग्राफिक डिजाइनर

ग्राफिक और कला के क्षेत्र में डिजाइन और टाइपोग्राफी का काम करने वाला व्यक्ति ग्राफिक डिजाइनर कहलाता है और यह कला क्लासिक डिजाइनिंग चलाती है। एक ग्राफिक डिजाइनर मुख्य तौर पर इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से और इलेक्ट्रोनिक प्रिंट के माध्यम से विज्ञापन के ग्राफिक बनाने का काम करते हैं। ग्राफिक डिजाइनर जो यूजर इंटरफेस और डिजाइनिंग का भी काम संभालने अपनी भूमिका निभाते हैं। ग्राफिक डिजाइनर आज के समय में भविष्य के लिए एक जबरदस्त उभरता हुआ कैरियर का ऑप्शन माना जाता है। ग्राफिक डिजाइनर बनकर विद्यार्थी अपने भविष्य को संभाल सकता है और आज के डिजिटल दौर में ग्राफिक डिजाइनर की पूछ दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। ग्राफिक डिजाइनर कि जिस प्रकार से जरूरत बढ़ती जा रही है। उस आधार पर हर व्यक्ति ग्राफिक डिजाइनर बनकर अपने भविष्य को बेहतर तरीके से सुरक्षित कर सकता है।

ग्राफिक डिजाइनर के प्रकार : ग्राफिक डिजाइनर और जस्टिस डिजाइनिंग का एक क्षेत्र बहुत ही बड़ा है और इसमें अलग-अलग क्षेत्र में उम्मीदवार अपनी इच्छा के अनुसार पढ़ाई कर सकता है और नौकरी हासिल कर सकता है। विद्यार्थी को जिस क्षेत्र में रुचि है। उसी क्षेत्र में विद्यार्थी को ग्राफिक डिजाइनर के सब्जेक्ट का चयन करते हुए डिग्री हासिल करनी चाहिए ग्राफिक डिजाइनर के प्रकार नीचे कुछ इस प्रकार से दिए गए हैं। -पैकेजिंग डिजाइनर, वेब और मोबाइल डिजाइनर, लेआउट और प्रिंट डिजाइनर, ब्रांड और लोगो डिजाइनर।

क्या चाहिए योग्यता और स्किल

जो उम्मीदवार ग्राफिक डिजाइनर बनना चाहता है। उस उम्मीदवार को टाइम मैनेजमेंट का एक मुख्य ध्यान रखना होता है। टाइम मैनेजमेंट के अनुसार विद्यार्थी या किसी ग्राफिक डिजाइनर को अपने प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करना। जो उम्मीदवार ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए सपना देख रहा है। उस उम्मीदवार के पास एक कम्युनिकेशन स्किल्स होना बहुत ज्यादा जरूरी है। इसके माध्यम से उम्मीदवार अपने ग्राहक के साथ प्रोजेक्ट के बारे में अच्छी तरह से बात कर सकता है और उन्हें प्रोजेक्ट को अच्छी तरह से प्रजेंट टेंशन के जरिए समझा सकता है। इसके लिए उम्मीदवार के पास कम्युनिकेशन स्किल होना बहुत ही ज्यादा जरूरी है। ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए कई प्रकार के डिप्लोमा और डिग्री कोर्स लेने होते हैं और उसके लिए उम्मीदवार को न्यूनतम शैक्षणिक योगिता के तौर पर 12वीं कक्षा 60 प्रतिशत अंक के साथ पास होना जरूरी है।

ग्राफिक डिजाइनर के बैचलर कोर्स : 12वीं कक्षा पास करने के बाद जो उम्मीदवार बैचलर डिग्री ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए करना चाहता है। उन उम्मीदवारों के लिए ग्राफिक डिजाइनर के बैचलर को कोर्स नीचे दिए गए हैं।

- बीएफए इन ग्राफिक डिजाइन
- बी डेस इन ग्राफिक डिजाइन
- बीएससी इन डाटा विजवुएलाइजेशन
- बीए ग्राफिक डिजाइन
- बीए (ऑनर्स) इन ग्राफिक एंड कम्यूनिकेशन डिजाइन

ऐसे बन सकते हैं ग्राफिक डिजाइनर

ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए उम्मीदवार को नीचे दिए गए निम्नलिखित चलो को फॉलो करना चाहिए। इन चरणों को फोलो करते हुए विद्यार्थी आसानी से ग्राफिक डिजाइनर बन सकता है।

- सर्वप्रथम उम्मीदवार को दसवीं कक्षा के बाद 12वीं कक्षा पास करनी होगी। 12वीं कक्षा में न्यूनतम 60% अंक होना अनिवार्य है।
- अब उम्मीदवार को यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जाकर एंट्रेंस एग्जाम में आवेदन करना होगा। एंट्रेंस एग्जाम की परीक्षा पास करने के पश्चात आपको कॉलेज मिल जाएगा।
- कॉलेज मिल जाने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स के लिए निर्धारित समय अवधि तक पढ़ाई करते हुए आपको अपनी डिग्री या डिप्लोमा का कोर्स हासिल करना है।
- डिग्री करते समय आपको ग्राफिक डिजाइनर के सिद्धांत को सीखना होगा और ग्राफिक डिजाइनर के सभी सिलेबस को ढंग से पढ़ते हुए डिग्री पास करनी है।
- ग्राफिक डिजाइनर का सही कोर्ट आपको डिग्री लेते समय चयन करना चाहिए। ताकि भविष्य में आपको कोई भी दिक्कत का सामना ना करना पड़े।
- ग्राफिक डिजाइन के पुल के बारे में जानकारी अवश्य जी के सॉफ्टवेयर टूल के माध्यम से आपको बेहतर लेवल की नौकरी आसानी से मिल जाएगी।
- ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए आपको पोर्टफोलियो की प्रैक्टिस करनी चाहिए और आपको अपने स्किल्स को सुधारने का प्रयास करना चाहिए।

डिप्लोमा कोर्स : ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए आप बैचलर डिग्री या मास्टर डिग्री लेने के अलावा डिप्लोमा कोर्स लेकर भी ग्राफिक डिजाइनर बन सकते हैं।

- डिप्लोमा इन वेब एंड ग्राफिक डिजाइनिंग
- सर्टिफिकेट इन आर्ट एंड डिजाइन
- सर्टिफिकेट इन ग्राफिक एंड वेब डिवलपमेंट
- ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन ग्राफिक डिजाइनिंग
- ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन इनफोरमेंशन डिजाइनिंग

टॉप कॉलेज : भारत में बहुत सारे कॉलेज उपलब्ध है जो आपको ग्राफिक डिजाइनर बनने का मौका देते हैं। लेकिन भारत के टॉप यूनिवर्सिटी की बात की जाए तो भारत की टॉप यूनिवर्सिटी की सूची हम आपको नीचे प्रदान करवा रहे हैं:

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
आर्क कॉलेज ऑफ डिजाइन एंड बिजनेस
प्रशांत विद्यालय
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान

बैचलर ऑफ साइंस तीन साल की एक स्नातक डिग्री

बीएससी के बाद सरकारी के साथ निजी क्षेत्रों में भी अपार संभावनाएं

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ साइंस (बीएससी) तीन वर्षों की एक स्नातक डिग्री है, इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को विज्ञान विषयों की गहन जानकारी देना, उन्हें विश्लेषणात्मक एवं तार्किक दृष्टिकोण से सक्षम बनाना है। इस पाठ्यक्रम में गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, कंप्यूटर साइंस, पर्यावरण विज्ञान, सांख्यिकी जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। बीएससी के बाद सरकारी और निजी क्षेत्र में करियर संवारने की अपार संभावनाएं हैं। यह डिग्री करने के बाद छात्र अपने भविष्य को खूब चमका सकते हैं। इन विषयों का वास्तविक जीवन में अत्यंत महत्व है, जैसे भौतिकी इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान औषधि, उद्योग, जीव विज्ञान, स्वास्थ्य, कृषि क्षेत्र, गणित, कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस और आईटी क्षेत्र में उपयोग किए जाते हैं। वहीं बीएससी (ऑनर्स) में छात्रों को किसी एक विशेष विषय में गहन अध्ययन और विशेषज्ञता प्रदान की जाती है, जिससे उन्हें शोध, शिक्षण और व्यावसायिक क्षेत्र में बेहतर अवसर मिलते हैं। बीएससी और बीएससी (ऑनर्स) के अंतर्गत कई विषयों में विशेषज्ञता उपलब्ध हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि छात्र बीएससी करने के बाद कैसे अपना भविष्य संवार सकते हैं।

छात्रों को विज्ञान विषयों की जानकारी देना उद्देश्य

काउंसलर से लें सलाह

बी.एससी. केवल एक डिग्री नहीं बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आधुनिक कौशल और वैश्विक अवसरों का अद्वितीय संगम है। यदि छात्र अपने विषय को गंभीरता से समझें, आवश्यक स्किल्स विकसित करें और सही करियर पथ चुनें, तो वे निजी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा, सरकारी क्षेत्र की स्थिरता और उच्च शिक्षा की प्रतिष्ठा,तीनों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह जरूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप **www.careerjaano.com** पर भी विजिट कर सकते हैं।

बी.एससी. डिग्रीधारी निम्नलिखित सामान्य प्रोफाइल में भी नौकरी पा सकते हैं (भले ही उनका स्पेशलाइजेशन कोई भी हो)

- डिजिटल मार्केटिंग ट्रेनी
- ग्राहक सेवा कार्यकारी
- मानव संसाधन सहायक
- प्रशासनिक सहायक
- बिजनेस डेवलपमेंट ट्रेनी
- शिक्षा व ट्यूटोरियल सेवाओं में विषय विशेषज्ञ

गणित व सांख्यिकी आधारित भूमिकाएं

- एक्चुअरियल असिस्टेंट
- बैंकिंग डाटा प्रोसेसिंग अधिकारी
- रिस्क एनालिस्ट

वास्तविक जीवन में ऐसे अनुप्रयोग

- भौतिकी (फिजिक्स) – तकनीकी आविष्कार, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा उत्पादन और अंतरिक्ष अनुसंधान में उपयोगी।
- रसायन विज्ञान (केमिस्ट्री) – दवा निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, खाद्य प्रसंस्करण और विनिर्माण उद्योग में आवश्यक।
- गणित (मैथमेटिक्स) – आंकड़ा विश्लेषण, वित्त, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और शोध क्षेत्रों में अहम भूमिका।
- जीवविज्ञान (बायोलॉजी) – स्वास्थ्य, जैव प्रौद्योगिकी, कृषि और चिकित्सा अनुसंधान में योगदान।
- वनस्पति विज्ञान (बॉटनी) – औषधीय पौधों, कृषि विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण में उपयोगी।
- प्राणी विज्ञान (जूलॉजी) – पशु विज्ञान, वन्यजीव संरक्षण और अनुसंधान क्षेत्रों में महत्वपूर्ण।
- कंप्यूटर विज्ञान – सॉफ्टवेयर विकास, साइबर सुरक्षा, आंकड़ा विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग का आधार।
- जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक्नोलॉजी) – आनुवंशिक अभियांत्रिकी, स्वास्थ्य, नैदानिक शोध और कृषि में क्रांति।
- पर्यावरण विज्ञान – जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण नियंत्रण और सतत विकास में अहम योगदान।

(नोट : इन विषयों के अध्ययन से छात्रों को न केवल वैज्ञानिक ज्ञान मिलता है, बल्कि वे समाज, उद्योग और तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।)

इंडस्ट्री स्किल्स की भूमिका

बीएससी की शैक्षणिक पृष्ठभूमि एक मजबूत आधार देती है, लेकिन केवल डिग्री पर्याप्त नहीं होती। आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में छात्रों को व्यावहारिक और तकनीकी कौशल भी विकसित करने होते हैं। ऐसे कई कौशल हैं जो छात्रों के करियर को मजबूती प्रदान करते हैं। इनमें ये कुछ प्रमुख हैं।

- समस्या समाधान और विश्लेषणात्मक क्षमता
- कंप्यूटर एवं डिजिटल दक्षता (प्रोग्रामिंग, डाटा एनालिसिस)
- लैब स्किल्स और रिसर्च मेथडोलॉजी
- संचार एवं प्रस्तुतीकरण कौशल
- टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता
- समय प्रबंधन और कार्य अनुशासन

निजी क्षेत्र में करियर विकल्प

बीएससी स्नातक निजी क्षेत्र में असीमित अवसरों और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी करियर संभावनाओं के द्वार खोलते हैं। आधुनिक उद्योग जगत को अनुसंधान,आधारित, तकनीकी दक्ष और नवाचारशील युवाओं की आवश्यकता है, जहां बी.एससी. डिग्रीधारी अपनी प्रतिभा से अग्रणी स्थान बना सकते हैं। निम्नलिखित नौकरी प्रोफाइल विशेष रूप से बीएससी विशेषज्ञताओं से संबंधित हैं।

विज्ञान व शोध आधारित क्षेत्र

- लैब असिस्टेंट
- रिसर्च एसोसिएट
- क्वालिटी कंट्रोल एनालिस्ट
- फार्मास्यूटिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव

आईटी एवं कंप्यूटर साइंस

- डाटा एनालिस्ट
- सॉफ्टवेयर टेस्टिंग असिस्टेंट
- नेटवर्क सपोर्ट असिस्टेंट
- वेब डिजाइन सहायक

यह हो सकता है वेतनमान (निजी क्षेत्र)

फ्रेशर : 2.5 लाख से 4.5 लाख प्रतिवर्ष
अनुभवयुक्त (5,10 वर्ष): 6 लाख से 15 लाख प्रतिवर्ष (आईटी, रिसर्च और कॉर्पोरेट सेक्टर में इससे भी अधिक)

सरकारी क्षेत्र में करियर विकल्प

बीएससी पृष्ठभूमि वाले छात्र प्रशासनिक सेवाओं से लेकर तकनीकी अनुसंधान तक अनेक प्रतिष्ठित भूमिकाओं में अपना भविष्य संवार सकते हैं।

बैंकिंग एवं बीमा क्षेत्र
- एसबीआई प्रोबेशनरी ऑफिसर/क्लर्क, आईबीपीएस प्रोबेशनरी ऑफिसर/ क्लर्क, आरआरबी ऑफिस असिस्टेंट, एलआईसी असिस्टेंट/ अकाउंट ऑफिसर

यूपीएससी एवं राज्य सेवाएं
- आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, आईआरएस, राज्य लोक सेवा आयोग अधिकारी

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी)
- वैज्ञानिक सहायक, प्रयोगशाला सहायक, सांख्यिकीय अन्वेषक, टैक्स असिस्टेंट

भारतीय रेलवे
- तकनीकी सहायक, जूनियर इंजीनियर (साइंस बैकग्राउंड)

रक्षा सेवाएं
- तकनीकी अधिकारी, आर्मी एजुकेशन कोर अधिकारी, वैज्ञानिक अधिकारी, लेफ्टिनेंट, आर्मी एजुकेशन कोर अफसर, अकाउंट अफसर, एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर, लोजिस्टिक्स सप्लाई अफसर, टेरीटोरियल आर्मी अफसर

अन्य विभाग : डाक विभाग: पोस्टल असिस्टेंट, सॉर्टिंग असिस्टेंट, स्वास्थ्य विभाग: लैब तकनीशियन, अनुसंधान सहायक

आय सीमा (सरकारी क्षेत्र)
फ्रेशर: 3 लाख से 6 लाख रुपये प्रतिवर्ष (पे लेवल 4–6 की सरकारी नौकरियों में)
अनुभवयुक्त/वरिष्ठ पद: 8 लाख से 18 लाख रुपये प्रतिवर्ष (यूपीएससी व राज्य सेवाओं में और भी अधिक)

उच्च अध्ययन के विकल्प
बीएससी के बाद छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपनी विशेषज्ञता को और गहराई दे सकते हैं। उच्च शिक्षा न केवल करियर को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करती है, बल्कि शोध और नवाचार की दुनिया में प्रवेश का मार्ग भी प्रशस्त करती है।

निम्नलिखित प्रमुख पाठ्यक्रम विकल्प उपलब्ध हैं।
पाठ्यक्रम विवरण : -
एम.एससी. चुने गए विषय में उच्च अध्ययन व शोध के लिए
- एम.सी.ए. कंप्यूटर एप्लीकेशन और आईटी क्षेत्र के लिए
- एम.बी.ए. प्रबंधन और कॉर्पोरेट नेतृत्व पदों के लिए
- बी.एड. शिक्षा व अध्यापन के क्षेत्र में करियर हेतु
- पीएच.डी. अनुसंधान और विश्वविद्यालय स्तर पर अध्यापन हेतु
- एम.टेक. (साइंस बेस्ड शाखाओं में) विशेष तकनीकी क्षेत्रों में विशेषज्ञता हेतु

सोशल मीडिया केवल मनोरंजन नहीं सीखने और आगे बढ़ने का भी माध्यम

मोटिवेशनल
डॉ. दिव्या तंवर

सोशल मीडिया आज हमारी जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह केवल मनोरंजन या संवाद का जरिया नहीं है, बल्कि सीखने, बढ़ने और खुद को नया स्वरूप देने का भी प्रभावशाली माध्यम है। लेकिन अक्सर यही सोशल मीडिया तनाव, चिंता और आत्म-संदेह का बड़ा कारण भी बन जाता है। जरूरत है कि हम इसे सही दृष्टिकोण और सकारात्मक दृष्टि से देखें ताकि यह हमारे लिए सीखने का साधन बने, न कि तनाव का कारण।

सोशल मीडिया : अवसरों का विश्व
सोशल मीडिया हमें दुनिया भर की जानकारी देने का सबसे तेज़ और सुलभ माध्यम है। यहां आपको नई तकनीकों, विज्ञान, कला, साहित्य और जीवन कौशल के असीम अवसर मिलते हैं।

गलत इस्तेमाल करने से बढ़ रहा तनाव

सोशल मीडिया से हजारों विषयों पर विशेषज्ञों, शिक्षकों और प्रेरक वक्ताओं की सामग्री आसानी से देखी और समझी जा सकती है। छात्र हो या पेशेवर, हर व्यक्ति सही सामग्री का चयन करके अपने ज्ञान को कई गुना बढ़ा सकता है। सोशल मीडिया पर एक सकारात्मक नजरिए से चुनी गई सामग्री पढ़ना और सुनना आपके लिए किसी मुफ्त डिजिटल विश्वविद्यालय से कम नहीं है।

तनाव क्यों बनता है सोशल मीडिया : सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल करते समय हम अक्सर दूसरों की जिंदगी से अपनी तुलना करने लगते हैं।
- हर पल पोस्ट की जाने वाली परफेक्ट तस्वीरें हमें यह गलतफहमी देती हैं कि बाकी सबकी जिंदगी हमसे बेहतर है।
- बेवजह स्क्रॉलिंग समय की बर्बादी भी करती है, और जब हम काम पूरे नहीं कर पाते तो तनाव और अपराधबोध बढ़ जाता है।
- लगातार लाइक्स और कमेंट्स की गिनती करना आत्म-सम्मान को दूसरों की राय से जोड़ देता है।

सोशल मीडिया अपने मूल रूप में तो जानकारी और अवसरों से भरा हुआ है, लेकिन इसके गलत उपयोग या असंतुलित प्रयोग से यह हमारे लिए चिंता और मानसिक दबाव का कारण बन सकता है।

कारणों की व्याख्या : तुलना की आदत: लोग दूसरों की "परफेक्ट" जिंदगी देखकर अपनी वास्तविक जिंदगी से तुलना करते हैं। यह हीनभावना और चिंता पैदा करता है।

मान्यता की तलाश: पोस्ट पर मिले लाइक्स और कमेंट्स से आत्म-सम्मान को जोड़ लेना मानसिक दबाव बढ़ा देता है।

समय की बर्बादी: जरूरत से ज़्यादा स्क्रॉलिंग करने से पढ़ाई, काम या व्यक्तिगत जिम्मेदारियां अधूरी रह जाती हैं, जिससे तनाव होता है।

सूचना का बोझ: बहुत अधिक और कभी-कभी नकारात्मक या विरोधाभासी जानकारी मानसिक रूप से भारी लगने लगती है।

इसलिए, भले ही सोशल मीडिया ज्ञान और अवसरों का सागर है, उसका गलत या असंतुलित इस्तेमाल हमें मानसीक शांति और आत्म-संतुलन से दूर कर देता है। सोशल मीडिया को सीखने का साधन बनाने के लिए हमें सजगता और आत्म-नियंत्रण की आदत डालनी होगी। रोजानास्क्रॉलिंग या देखने के लिए निश्चित समय तय करें। केवल उन अकाउंट्स को फॉलो करें जो आपकी सोच को सकारात्मक और ज्ञानवर्धक दिशा में ले जाएं।

सोशल मीडिया एक दर्पण है

- तुलना करने के बजाय दूसरों की उपलब्धियों को प्रेरणा मानें।
- कोई नई भाषा, कला, तकनीक या जीवन कौशल सीखने के लिए सोशल मीडिया पर बने प्रामाणिक चैनल और पेज चुनें।

जीवन में सकारात्मक बदलाव
अगर हम सही तरीके से इसका उपयोग करें तो सोशल मीडिया हमें आत्म-विकास की राह दिखा सकता है। यह हमें विविध संस्कृतियों, नई जीवनशैलियों और अनगिनत विचारों से परिचित कराता है। प्रेरणादायी कहानियां और सफलता के अनुभव हमारे लिए प्रोत्साहन का कार्य करते हैं। यह नेटवर्किंग और सहयोग के अवसर भी देता है, जो व्यक्तिगत और पेशेवर विकास दोनों में लाभकारी हैं। सोशल मीडिया एक दर्पण है, उसमें वही झलकता है जिस पर हम अपना ध्यान केंद्रित करते हैं। अगर हम इसे केवल मनोरंजन और तुलना का मंच बनाएंगे तो तनाव और असंतोष ही मिलेगा। लेकिन अगर हम इसे सीखने और आत्म-विकास का मंच बनाएँगे तो यह हमारे स्वप्नों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

आइए, सोशल मीडिया को ज्ञान का साधन बनाएं, तनाव का कारण नहीं।

सामान्य ज्ञान

1. निम्नलिखित में से वह सागर कौन - सा है, जो भू-बद्ध है ?
(ए) लाल सागर
(बी) तिमोर सागर
(सी) उतरी सागर
(डी) अरल सागर

2. अफ्रीका महाद्वीप की सबसे बड़ी झील है -
(ए) विक्टोरिया
(बी) न्यासा
(सी) टंगानिका
(डी) चाड

3. निम्नलिखित में से कौन - सा युग्म गलत है ?
(ए) ग्रेट बीयर - कनाडा
(बी) मिशिगन - अमेरिका
(सी) ओनेगा - ऑस्ट्रेलिया
(डी) टिटिकाका - पेरू-बोलीविया

4. निम्नलिखित में से कौन ईरान की सीमा को स्पर्श करता है ?
(ए) कैस्पियन सागर
(बी) अरल सागर
(सी) बाल्खश झील
(डी) बैकाल झील

5. निम्नलिखित में से किसको 'पर्ल ऑफ़ साइबेरिया' कहा जाता है ?
(ए) बैकाल झील
(बी) ग्रेट वीयर झील
(सी) करदा झील
(डी) लिंकनबर झील

6. किस देश की सीमा कैस्पियन झील से नहीं मिलती है ?
(ए) अजरबैजान
(बी) रूस
(सी) यूक्रेन
(डी) तुर्कमेनिस्तान

7. टान्ले सेप नाम झील निम्नलिखित में से किस देश में स्थित है ?
(ए) थाईलैंड
(बी) कम्बोडिया
(सी) इंडोनेशिया
(डी) लाओस

8. पृथ्वी पर सबसे गहरा स्थल है -
(ए) कैस्पियन सागर
(बी) काला सागर
(सी) मृत सागर
(डी) एजियन सागर

उत्तर 1.(डी) 2.(ए) 3.(सी) 4.(ए) 5.(ए) 6.(सी) 7.(बी) 8.(सी)

खबर संक्षेप

23 वर्षीय युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

मंडी अटेली। गांव सिलारपुर के लगभग 23 वर्षीय निशांत पुत्र इंद्रजीत ने पारिवारिक समस्या को लेकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक युवक दिल्ली में पढ़ रहा था। मृतक के पिता मेवात में गेस्ट टीचर की नौकरी कर रहा है। इस इकलौते बेटे की मौत से परिवार में मातम छा गया। ग्रामीणों ने बताया कि उनके परिवार में एक बुजुर्ग महिला की अभी मौत हुई थी। उसके दिन अभी पूरे भी नहीं हुए थे कि उनके परिवार में एक जवान मौत होने से गांव में गमगीन माहौल बना हुआ है। अटेली पुलिस मृतक युवक का पोस्टमार्टम कराकर परियोजना को सौंप दिया।

धर्मबीर बने सरपंच एसो. कनीना के ब्लाक प्रधान

कनीना। सरपंच एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता मिंटू सरपंच गोमला ने की। बैठक में सरपंचों ने मंथन कर निजी कारणों से संगठन को समय नहीं पाने वाले सरपंच एसो. के पुराने ब्लाक अध्यक्ष के स्थान पर धर्मबीर सरपंच कोटिया को सरपंच एसोसिएशन का ब्लाक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस मौके पर विभिन्न गांवों के सरपंच उपस्थित थे।

इकबालपुर नंगली में नेत्र चिकित्सा शिविर कल

नांगल चौधरी। इकबालपुर नंगली में पांच अक्टूबर को पांचवा निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन होगा। जिसमें मरीजों को विभिन्न उपकरण तथा दवाइयां मुफ्त में वितरित की जाएंगी। कैंप में बहरोड़ की मिश्री देवी नेत्र चिकित्सालय के विशेषज्ञ डॉक्टर सेवाएं देंगे। कमेटी के सदस्य अमर सिंह मेहरानिया व राजकुमार जांगड़ा ने बताया कि कैंप में सुबह आठ बजे से मरीजों का पंजीकरण करना आंरभ किया जाएगा।

कोटपूतली में कल होगी गुर्जर महापंचायत

नारनौल। गुर्जर कल्याण परिषद ने जिला के गुर्जर समाज के सभी लोगों से पांच अक्टूबर को प्रातः 11 बजे कोटपूतली के पनियाला मोड़ स्थित श्री देवनारायण गोशाला में वीर गुर्जर महापंचायत में भाग लेने का आह्वान किया है। परिषद के प्रधान एडवोकेट कुलदीप भरगढ़ ने बताया कि पांच अक्टूबर को होने जा रही महापंचायत में समाज में व्याप्त सामाजिक बुराईयों जैसे मृत्यु भोज, दहेज प्रथा एवं शादी विवाह जैसी फिजूलखर्ची जैसी कुरीतियों को खत्म करे।

सैनिक स्कूल में स्वच्छता ही सेवा थीम के साथ चलाया अभियान

कचरा प्रबंधन और सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन पर फोकस

विद्यालय के खेल मैदान व मैस में साफ-सफाई अभियान, स्वच्छोत्सव थीम पर निबंध, कविता, वाद-विवाद, नारा लेखन, क्विज व चित्रकला स्पर्धा आयोजित की गई।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्वच्छता को लेकर जागरूकता रैली निकालते कैडेट्स व स्कूल में कर्मचारियों को सम्मानित करते प्राचार्य। फोटो : हरिभूमि

सैनिक स्कूल गोठड़ा में 31 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। 15 सितंबर से शुरू किए गए अभियान के अंतर्गत स्वच्छ भारत दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान का मुख्य थीम स्वच्छोत्सव है, जो पर्यावरण अनुकूल और शून्य कचरा उत्सव पर केंद्रित है। अभियान में स्वच्छता लक्ष्य कार्यालयी इकाइयों में लंबित पत्रावलियों व मामलों का निस्तारण, उनका संरक्षण व रिकॉर्ड नियोजन, नियमों का सरलीकरण, कार्यालयों में स्थान नियोजन व सौंदर्यीकरण, जल शोधन संयंत्र नियोजन, कंप्यूटर व अन्य स्क्रैप निस्तारण, पुस्तकालय नियोजन, अत्यंत गंदे स्थलों की पहचान और सफाई, सार्वजनिक स्थानों की सामान्य सफाई, सफाई मित्रों के लिए सुरक्षा शिविर और स्वास्थ्य जांच, क्लीन ग्रीन उत्सव तथा जनजागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। अभियान के तहत पर्यावरण क्लब के संयोजन में आयोजित गतिविधियों में कैडेट्स और शिक्षकों द्वारा स्वच्छता शपथ लेना, विद्यालय परिसर, गर्ल्स-बॉयज छात्रावासों, विद्यालय खेल मैदान व मैस में साफ-सफाई अभियान, स्वच्छोत्सव थीम पर निबंध, कविता, वाद-विवाद, नारा लेखन, क्विज व चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसके अलावा कचरा प्रबंधन और एकल उपयोग प्लास्टिक उन्मूलन जैसे विषयों पर फोकस रहा।

स्वच्छता संदेश दिया गया

समुदाय स्तर पर मानव श्रृंखला, नुक्कड़ नाटक व सड़क नाटक के माध्यम से स्वच्छता संदेश दिया गया। संस्थान परिसर में पौधारोपण, स्वच्छता ही सेवा और स्वच्छोत्सव थीम पर जागरूकता रैलियां, प्रभात फेरियां तथा स्वच्छता आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सफाई मित्रों और उनके आश्रितों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए गए। विकसित भारत थीम पर चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। अभियान में विद्यालय प्रशासनिक अधिकारी मेजर जय सिंह राठौड़, उप प्राचार्य वंदना चौधरी, वरिष्ठ अध्यापक गजेन्द्र सिंह चौहान, कार्यक्रम संयोजक डा. विनय कुमार भटनागर टीजीटी सहित सभी कर्मचारियों व कैडेट्स ने भाग लिया।

स्वच्छता को बढ़ावा देगा

इस मौके पर प्राचार्य ने कहा कि यह अभियान न केवल स्कूलों में स्वच्छता को बढ़ावा देगा, बल्कि समुदाय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करेगा। साथ ही कार्यालयी कार्यों की समीक्षा व कौशल दक्षता को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने सभी कैडेट्स व कर्मचारियों से स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने की अपील भी की।

महेंद्रगढ़। आरपीएस स्कूल के सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सफलता का पर्याय बना आरपीएस

एनडीए में आरपीएस के 91 विद्यार्थियों ने पताका लहराई

- सीईओ मनीष राव ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

यूपीएससी की ओर से घोषित एनडीए की लिखित परीक्षा में आरपीएस समूह की प्रतिभाओं ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लोहा मनवाया। आरपीएस के 91 विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर संस्था के साथ क्षेत्र, जिले व प्रदेश का भी नाम रोशन किया है। सभी चयनित विद्यार्थियों को संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव व डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एनडीए की लिखित परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन कर एसएसबी के लिए क्वालीफाई करने वालों में आर्यन श्योराण, आशीष, दिव्य यादव, हर्ष कुमार, झलक यादव, कनिका यादव, लक्ष्य यादव, मयंक, मयंक कुमार, नेहा, प्रिंस यादव, रजत श्योराण, रितिक, साहिल, यश, आयुश, जतिन, मंदीप कुमार, सारांश यादव, निशु गंडास, साहिल यादव, ईशांत कुमार, जितेन्द्र जादम, सचिन, जतिन, कृष, मनिकेत, मनीष, रिषभ धोरवाल, जयंत फलस्वाल, महिद्र गौड़, शौर्य शर्मा, सारांश अरोड़ा, भव्य सैनी, दक्ष, दिव्यांश सिंह, दिव्यांशा यादव, नेहा, जतिन, समीर, अंशु, आदित्य, अंतरिक्ष, दीपक, ईशांत, खुशी, रोबिन, रोहन, रूद्रा बल आदि शामिल रहे।

गौरव बढ़ाने का कार्य

आरपीएस संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि क्षेत्र के साथ अब आरपीएस के प्रतिभावान छात्र छात्राएं सेना में भी अधिकारी बनकर देश का गौरव बढ़ाने का काम कर रहे हैं। आरपीएस के उचित मंच के माध्यम से सेना में अधिकारी के पद पर पहुंच रहे हैं। संस्था के सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने कहा कि प्रतिभा को तराशने के लिए विद्यार्थियों को समय समय पर उचित मार्ग दर्शन मिलना अतिआवश्यक है, जो आरपीएस शिक्षण संस्था की प्रबंधन समिति व शिक्षक समय समय पर विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों से विचार विमर्श कर सफलता के नए नए तरीके अपनाते रहते हैं।

रीजनल सेंटर में एनएसएस इकाई ने चलाया सफाई अभियान

कोसली। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कृष्ण नगर गांव स्थित रीजनल सेंटर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से स्वच्छता अभियान व जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत छात्राओं ने गांव में साफ-सफाई की तथा रैली निकाल कर ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस अवसर रीजनल सेंटर के निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से स्वयं सेविकाओं में सेवा भावना तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित होता है। डा. अनिल कुमार ने कहा कि इस प्रकार के सेवा भावी कार्य छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास में सहायक हैं। इस अवसर पर डा. सोनिया यादव, पूजा यादव, नीलम यादव, सनिता यादव, मधु बाला, निर्मला, रितु व मनीषा सहित अनेक छात्राएं उपस्थित थी।

लोगों की गाढ़ी कमाई बेकार न जाए

अवैध कॉलोनी काटने वालों पर सख्त कार्रवाई करें डीटीपी विभागः डीसी

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में कहीं भी अवैध रिहायशी या व्यवसायिक कॉलोनी विकसित की जा रही है तो जिला नगर योजनाकार उन पर तत्काल रूप से प्रभावी कार्रवाई करें। डीसी अभिषेक मीणा ने शुक्रवार को लघु सचिवालय सभागार में अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। डीसी ने कहा कि बावल, कोसली और रेवाड़ी सहित पूरे जिले में कोई भी अवैध कॉलोनी नहीं होनी चाहिए। अवैध कॉलोनी काटने वालों पर नगर योजनाकार विभाग के अधिकारी पुख्ता कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि जिला टॉस्क फोर्स की पूरी जिम्मेदारी बनती है कि अवैध कॉलोनी काटने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

बगैर अनुमति के भवन निर्माण किया तो तोड़ा जाए

किसी भी संशय वाले पंजीकरण की जिला योजनाकार अधिकारी मौके पर जाकर जांच करे और फर्जी पाए जाने पर तुरंत एफआईआर दर्ज कराएं। इसके अलावा कहीं कंट्रोल एरिया में बगैर अनुमति के भवन निर्माण किया जा रहा है तो उसे तोड़ा जाए। उन्होंने आमजन से आह्वान करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति प्लॉट खरीदने से पहले कॉलोनी की वैधता के बारे में जिला नगर योजनाकार कार्यालय से संपर्क करें। बैठक में एसडीएम सुरेश कुमार, डीटीपी मनदीप सिहाग और डीआरओ प्रदीप देशवाल सहित तहसीलदार मौजूद थे।

खोरी स्थित पीएम श्री रावमा विद्यालय

चार सौ मीटर हर्डल रेस में स्टेट विजेता गुंजन का किया सम्मान

खोरी। गांव खोरी स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की कक्षा 12वीं की छात्रा गुंजन ने हाल ही में फरीदाबाद में आयोजित हुई राज्य स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता में पूरे राज्य भर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। गुंजन ने यह उपलब्धि 400 मीटर हर्डल रेस में हासिल की है। इसके अलावा गुंजन ने 100 मीटर हर्डल रेस में भी तृतीय स्थान प्राप्त किया। इससे पहले भी छात्रा ने राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया था। गुंजन ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, स्कूल के प्रधानाचार्य और सभी गुरुजनों सहित विशेष रूप से मंजू यादव प्रवक्ता हिंदी, कुलदीप डीपीई व अशोक पीटीआई को दिया है। शुक्रवार को छात्रा को स्कूल में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला प्रमुख मनोज यादव व प्रधानाचार्य ब्रह्मप्रकाश सहित सभी शिक्षक मौजूद थे।

रेवाड़ी। छात्रा गुंजन को सम्मानित करते अतिथि व शिक्षक।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

युवाओं को नशे की लत से होने वाले शारीरिक मानसिक और सामाजिक नुकसान से अवगत कराया

युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में एनएसएस इकाई ने इतिहास विभाग एवं नशा मुक्त भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रेरित करना रहा।

रेवाड़ी। युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाते शिक्षक।

समाज को भी नशा मुक्त बनाने में योगदान देंगे

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुनील कुमार व कीमती लाल एएसआई नारकोटिक्स विभाग थे। उन्होंने युवाओं से सीधे संवाद करते हुए नशे की लत से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान पर प्रकाश डाला। अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग प्रोफेसर करण सिंह ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया और नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। सभी स्वयंसेवकों ने शपथ ली कि वे स्वयं नशा नहीं करेंगे और समाज को भी नशा मुक्त बनाने में योगदान देंगे।

नशा मुक्ति का संदेश

नशा मुक्त भारत अभियान के नोडल अधिकारी डा. बिरेंद्र सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में भी समाज की भूमिका ही नशे पर अंकुश लगा सकते है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर अपने और समाज के भविष्य को सुरक्षित बनाएं। योग विभाग से शिक्षक अमित कुमार ने स्वयंसेवकों को ध्यान एवं मेडिटेशन कराया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया, जिसने समाज में स्वच्छता और नशा मुक्ति का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. अनीता, डा. प्रियंका रंगा, डा. संदीप, डा. अमनदीप एवं लिपिक मनजीत उपस्थित थे।

विभिन्न राज्यों से कलाकार प्रस्तुत दे रहे

सूरजकुंड दिवाली मेला शुरू, कला और संस्कृति से लोग होंगे रूबरू

रेवाड़ी। हरियाणा पर्यटन निगम की ओर से सूरजकुंड दिवाली मेला शुरू हो गया है, जोकि आगामी 7 अक्टूबर तक फरीदाबाद के सूरजकुंड मेला ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है। मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकार, कलाकार और उद्यमी अपनी कला और संस्कृति की झलक प्रस्तुत कर रहे हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि यह मेला लोगों को देश और प्रदेश की विविध कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और परंपराओं से रूबरू कराने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। मेले में लगभग काफी स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें हस्तशिल्प, गृह सजावट सामग्री, पारंपरिक परिधान, आभूषण, दीपावली की खरीदारी के लिए विशेष आइटम तथा विभिन्न राज्यों के स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध हैं। मेले में लोक नृत्य, संगीत प्रस्तुतियां, फैशन शो और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे आने वाले दर्शक कला और मनोरंजन का अनोखा अनुभव प्राप्त करेंगे।

डीसी अभिषेक मीणा।

बिजली पेंशनर्स की बैठक में कई मुद्दों पर किया विचार-विमर्श

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

शुक्रवार को हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था आजाद नगर में प्रधान नरेंद्र रोहिल्ला की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य संरक्षक बुद्धराम पंवार मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में पेंशनरों के लिए मेडिकल ऑफिसर डिस्पेंसरी खोलने, एसोसिएशन का बैंक खाता खोलने व पेंशनर्स पहचान पत्र बनाने सहित अनेक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पिछली सभा में अधीक्षक अभियंता डीएचबीवीएन ने आश्वासन दिया था कि आईडी कार्ड डिवीजन स्तर पर बनाए जा सकते हैं। इसके संबंध में सभी कार्यकारी अभियंताओं को सूचना दी जा चुकी है व सभी बिजली पेंशनर्स अपने-अपने आई कार्ड बनवा सकते है। इस मौके पर एसोसिएशन ने निर्णय लिया कि एक वार्षिक पत्रिका प्रकाशित की जाए, जिसमें सभी पेंशनरों का सहयोग लिया जाएगा

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद एसोसिएशन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अच्छी पहल — कूड़े के उचित निपटान के लिए सराहनीय कदम

कचरा जमा होने और अनियमित सफाई को लेकर शिकायतें आ रही थी

न्यू बजाजा बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन ने स्वच्छता के लिए वितरित किए डस्टबिन

हरिभूमि न्यूज. ⏭ रेवाड़ी

स्वच्छता को बढ़ावा देने और कूड़े के उचित निपटान के लिए न्यू बजाजा बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन ने सराहनीय कदम उठाया है। एसोसिएशन की ओर से बाजार के व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर डस्टबिन वितरित किए गए। बाजार में लंबे समय से खुले में कचरा जमा होने और अनियमित सफाई को लेकर ग्राहकों और व्यापारियों की शिकायतें आ रही थी। एसोसिएशन के सदस्य दीपेश भार्गव,राजीव आहूजा, मोना संजय गुप्ता, दिनेश रुस्तगी, अमित वर्मा, कमल सचदेवा व हेमंत ग्रोवर के सहयोग से दुकानदारों को डस्टबिन वितरित किए गए।

रेवाड़ी। दुकानदारों को डस्टबिन वितरित करते हुए एसोसिएशन के सदस्य।

कचरा कलेक्शन के लिए गाड़ी शुरू

इस मौके पर भाजपा मंडल महामंत्री राजीव आहूजा ने कहा कि स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी के व्यापार के लिए आवश्यकता भी है। एसोसिएशन एक स्वच्छ, अतिक्रमण मुक्त और आकर्षक बाजार बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बाजार में शाम के समय कचरा कलेक्शन के लिए भी गाड़ी शुरू कराई गई है। इसके लिए एसोसिएशन ने जिला नगर आयुक्त ब्रह्मप्रकाश और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि सभी व्यापारी बाजार डस्टबिन का सही उपयोग करें और बाजार को हर हाल में साफ रखें। आहूजा ने कहा कि एसोसिएशन जल्द ही नगर परिषद के साथ मिलकर कूड़े के नियमित संग्रह के लिए एक बेहतर प्रणाली तैयार करेगी। इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों को एक सुखद खरीदारी का अनुभव देना और वातावरण को स्वच्छ रखना है।

खबर संक्षेप

नहर से युवक का शव बरामद, अस्पताल भिजवाया

कोसली। जुड्डी के पास शुक्रवार को नहर से एक युवक का शव बरामद हुआ है। शव को शिनाख्त के लिए सामान्य अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि जुड्डी के पास नहर में एक शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर शव को बाहर निकलवाया। आसपास के गांवों में सूचना देकर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। मृतक की उम्र लगभग 45 वर्ष बताई जा रही है। उसने जींस की पेंट व टी-शर्ट पहनी हुई है।

कंपनी में ड्यूटी जाने की कहकर गया युवक लापता

कोसली। सुधराना गांव से एक युवक तीन दिन पूर्व घर से कंपनी में ड्यूटी पर जाने की कहकर लापता हो गया। युवक के बड़े भाई अमन कुमार ने नाहड़ पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि वे दो भाई है। उसका छोटा भाई पुनीत यादव बावल में स्थित कंपनी में नौकरी करता है। 30 सितंबर को पुनीत शाम को 7:30 बजे काम पर गया था, लेकिन अब तक घर वापस नहीं आया है। उन्होंने अपने स्तर पर भी उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लापता युवक की तलाश प्रारंभ की है।

रिकवरी के बाद डाला गया मामला ठंडे बस्ते में

प्रशासन ने लगाई ज्वाइनिंग पर रोक

कच्चे कर्मचारी बनाए गए थे मोहरा टीसी ऑफिस तक पहुंची थी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

आरटीए ऑफिस में वर्ष 2022 में हुए लाखों रुपये के गोलमाल मामले में उस समय कार्यरत एचकेआरएन कर्मचारी की ज्वाइनिंग पर प्रशासन ने रोक लगा दी है। 'हरिभूमि' में शुक्रवार को प्रकाशित खबर के बाद प्रशासन ने फिलहाल तबादला किए गए कच्चे कर्मचारियों की ज्वाइनिंग रोक दी है। लाखों रुपये की परमिट फीस व पैनल्टी राशि सरकारी खजाने में जमा नहीं कराने के बाद शुरू हुई जांच स्टेट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ऑफिस तक पहुंच गई थी, परंतु महज तीन दिन में भारी भरकम राशि सरकारी खजाने में जमा कराकर मामले को रफा-दफा कर दिया गया था। इस मामले में एक स्थाई कर्मचारी की भूमिका प्रमुख थी, जिसने बड़ी साफगोई से गोलमाल की गेंद कच्चे कर्मचारियों के पाले में फेंक दी थी।

प्रदेश सरकार की ओर से कोराना काल के चलते ट्रांसपोर्टरों को 31 दिसंबर 2021 तक परमिट फीस

रेवाड़ी। हरिभूमि में 3 अक्टूबर को प्रकाशित समाचार।

और पैनल्टी माफ कर दी थी। इसके बाद जब पारमिट रिन्यू कराने की बारी आई, तो एक पक्के कर्मचारी के इशारे पर बड़ा खेल खेता गया था। एमवीओ की ओर से जारी किए गए पत्र पर 1 जनवरी 2022 से लेकर 30 मई 2022 तक के परमिटों का ऑनलाइन रिकॉड चेक करने पर यह बात सामने आई थी कि पांच माह की अवधि के दौरान 136 वाहनों के परमिट जारी करने के लिए 5319250 रुपये राशि ऑफिस में आई, परंतु इस राशि को सरकारी खजाने में जमा ही नहीं कराया गया। इसमें परमिट फीस व जुर्माना मिलाकर प्रति वाहन लगभग 18 हजार रुपये लेकर 3.33 लाख रुपये तक की राशि शामिल थी। इस राशि में नेशनल परमिट फीस 16500 रुपये प्रति वाहन व हरियाणा परमिट फीस के 2250 रुपये प्रति वाहन भी शामिल थी। बाद में गहन जांच के दौरान तैयार की गई रिपोर्ट में कुल 4005250 रुपये सरकारी खजाने में जमा कराने का उल्लेख किया गया था। जब यह रिपोर्ट टीसी ऑफिस पहुंची तो तत्कालीन टीसी यशेंद्र सिंह ने परमिट सीट पर बैठने वाले जिम्मेदार कर्मचारी व कच्चे कर्मचारियों को चंडीगढ़ तलब किया था।

महज तीन दिन में कराई थी रिकवरी

मामले का खुलासा होने के बाद एक सीनियर अधिकारी ने कार्यालय की बदनामी और कर्मचारियों की खाल बचाने के लिए यह राशि तुरंत सरकारी खजाने में जमा कराने के निर्देश दिए थे, ताकि जांच की आंच अधिकारियों तक नहीं पहुंच सके। सूत्र बताते हैं कि इसके बाद आरटीए स्टाफ ने ट्रांसपोर्टरों से इस भारी-भरकम राशि की वसूली महज तीन दिन में कराकर पैसा सरकारी खजाने में जमा कराया था। पक्का कर्मचारी प्रमोशन के बाद अधिकारी बन चुका है, जबकि बदनामी के दाग कच्चे कर्मचारियों के दामन से चिपके हुए हैं। फिलहाल कच्चे कर्मचारी का दोबारा इस कार्यालय में ट्रांसफर होने के बाद अधिकारियों ने ज्वाइनिंग पर रोक लगा दी है, जिसकी पुष्टि आरटीए सचिव की ओर से की गई है।

वालीबॉल प्रतियोगिता में गांव पथरेड़ी की टीम विजेता व भालोठ बनी उपविजेता

- ग्राम पंचायत व ग्रामीणों ने विधायक का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खोल

खंड खोल के गांव मामड़िया आसमपुर में वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार ने किया। विधायक ने कहा कि क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें निखारने की जरूरत है और इसके लिए हम सभी को आगे आना चाहिए। सरपंच अशोक यादव की अगुवाई में ग्राम पंचायत और ग्रामीणों ने विधायक का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का जलवा दिखाते हुए मेडल हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्र में भी शहरी तर्ज पर खेल सुविधाएं मिलने लगी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार खेलों को बढ़ावा देने में लगी हुई है। विधायक ने ग्रामीणों की मांग पर गांव में खेल मैदान की चारदीवारी बनवाने की घोषणा की। प्रतियोगिता ने पथरेड़ी गांव की टीम विजेता और गांव भालोठ की टीम उप विजेता बनी। इसके अलावा खड़वाली की टीम ने तीसरा और सोनीपत की टीम ने चौथा स्थान हासिल किया। जिला भाजपा सचिव दिनेश यादव टींट ने ग्राम पंचायत के साथ विजेताओं को नकद राशि और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर भाजपा नेता डा. अरविंद यादव, मंडल अध्यक्ष सुभाष यादव ढाणी शोभा और प्रिंसिपल धर्मेंद्र मौजूद थे।

रेवाड़ी। वालीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते विधायक डा. कृष्ण कुमार।

उषा रुस्तगी बनी किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य

रेवाड़ी। कायस्थवाड़ा निवासी उषा रुस्तगी को किशोर न्याय बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति हरियाणा महिला एवं बाल विकास की ओर से की गई है। किशोर न्याय बोर्ड 18 वर्ष तक के बच्चों के हितों से जुड़े मामलों की सुनवाई करता है। उषा रुस्तगी इससे पूर्व साढ़े 6 साल तक बाल कल्याण समिति की सदस्या भी रही है तथा शहर के केएलपी कॉलेज की कोषाध्यक्ष भी है। वे लॉयनेस क्लब की प्रधान भी रह चुकी है। उनकी इस नियुक्ति पर वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष व सोनीपत के मेयर राजीव जैन, पब्लिक एजुकेशन बोर्ड के प्रधान अशोक सोमाणी, महासचिव कपिल गोयल, कोषाध्यक्ष अजय गोटेवाले, वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष बृजलाल गोयल, केएलपी कॉलेज के प्रधान रिपुदमन गुप्ता, उपप्रधान संदीप खंडेलवाल, महासचिव अरविंद गुप्ता, प्राचार्या डा.कविता, भगवान महावीर विद्यापीठ के प्रधान मोहित जैन सीए, रेलवे रोड एसोसिएशन के प्रधान मनीष चराया, लॉयनेस क्लब की मेंटर डा. तृप्ति, लॉयनेस क्लब की प्रधान मधु भार्गव, प्रशांत भारद्वाज, जिला बार एसोसिएशन के प्रधान विश्वमित्र, पूर्व प्रधान सुधीर यादव, सुनील, आरडीएस पब्लिक गर्ल्स कॉलेज के प्रधान मुकेश भट्टेवाला, सतीश बीएड कॉलेज के प्रधान ने बधाई दी है।

आरपीएस कोसली के विद्यार्थियों का एनडीए परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

- माता-पिता, गुरुजनो व क्षेत्र का नाम रोशन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

रेवाड़ी। एनडीए परीक्षा में सफल रहे आरपीएस कोसली के विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

आरपीएस स्कूल कोसली के चार विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी यानि एनडीए की परीक्षा में परचम लहराते हुए सफलता हासिल की है। स्कूल से छात्रा नेहा गांव जैतपुर, जतिन गांव धनिरवास, समीर गांव जटवाड़ा व अंशु गांव अहमदपुर ने एनडीए की परीक्षा पास कर अपने स्कूल, माता-पिता, गुरुजनो व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन पवित्रा राव, सीईओ मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुणाल राव, आरपीएस कोसली के अध्यक्ष श्रीभगवान यादव व प्राचार्य अंजू यादव सहित सभी स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर प्रोत्साहित किया। सीईओ मनीष राव ने कहा कि यह स्कूल के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि आरपीएस सिर्फ डॉक्टर, इंजीनियर, अधिवक्ता और खिलाड़ी ही बनाने का केंद्र नहीं रहा, यह जीवन जीने की पाठशाला भी है। इस सफलता से प्रसन्न होकर अभिभावकों ने कहा कि आरपीएस के नेतृत्व से बच्चों की मेहनत को सही दिशा, संघर्ष को हौंसला और सपनों को उड़ान मिल रही है।

एनडीए लिखित परीक्षा में सफलता पाने वाले विद्यार्थी हुए सम्मानित

बावल। मुकुंदपुर बसई बोलनी स्थित ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल के तीन प्रतिभावान विद्यार्थियों ने सेना की प्रतिष्ठित एनडीए लिखित परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। छात्र हर्ष निवासी निंगानियावास, कन्हैयालाल निवासी लोधाना व तुषार ने परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। कन्हैयालाल ने यह उपलब्धि लगातार तीसरी बार हासिल की है। शुक्रवार को स्कूल में आयोजित सम्मान समारोह में प्राचार्य विश्वदत्त यादव व शिक्षकों ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

साइंस स्ट्रीम कोऑर्डिनेटर वीर प्रकाश यादव ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई

- जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करके की जा सकती प्रकृति की रक्षा : अनुराधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को कपड़े के थैले वितरित करते हुए शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

सेवा पखवाड़ा के तहत शहीद हरलाल पीएमश्री गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेंडरी स्कूल बोड़यिा कमलपुर में पर्यावरण संरक्षण पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल के प्रिंसिपल डा. हरिप्रकाश व अपना मन फाउंडेशन एवं रोटरी क्लब रेवाड़ी मेन की एनवायरमेंट डायरेक्टर अनुराधा सैनी ने छात्रों एवं शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। अनुराधा सैनी ने कहा कि हम अपने जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करके प्रकृति की रक्षा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आरओ एवं एसी से निकले हुए पानी का पुनः उपयोग करके, वर्षा जल संचयन करके, इको-फ्रेंडली उत्पादों का उपयोग करके, मोहल्लों और गोवों में बर्तन बैंक बनाकर, प्लास्टिक की थैली की जगह कपड़े के थैले का प्रयोग करके, कूड़े-कचरे का सही निपटान करके व पौधारोपण करके पर्यावरण का संरक्षण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी इन सरल आदतों को अपनाएं तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण दे सकते हैं। उन्होंने अध्यापकों और छात्रों को कपड़े से बने थैले भी वितरित किए।

प्रकृति का संरक्षण करें

अध्यापक वीरेंद्र, अपूर्व, राजबाला, कुसुम, उर्मिला, रजनी, रेखा और चंद्र प्रकाश ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। स्कूल के प्रिंसिपल डा. हरिप्रकाश ने कहा कि आज की पीढ़ी यदि पर्यावरण के महत्व को समझकर सही दिशा में कदम बढ़ाती है तो हम भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम प्रकृति का संरक्षण करें और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ व सुंदर बनाएं।

सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या 14 को

रेवाड़ी। सोलहराही सेक्टर-1 स्थित प्राचीन इच्छापूर्ण चोले वाले हनुमान मंदिर में 14 अक्टूबर मंगलवार को शाम को 5 बजे से सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद मंदिर परिसर में 7 बजे से भंडारे का आयोजन होगा। मंदिर के पुजारी बिजेन्द्र भारद्वाज बालाजी धाम वाले ने बताया कि कार्यक्रम में रेवाड़ी से गायक गोपाल वर्मा व दिल्ली से गायक धर्मबीर फौजी मनमोहक भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। मंदिर के संस्थापक भूपेन्द्र गुप्ता ने बताया कि प्राचीन इच्छापूर्ण चोले वाले हनुमान मंदिर में 27वें सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

विद्यार्थियों ने स्लोगन व पोस्टरों के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- विद्यार्थियों ने विद्यालय व आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की

लाखनौर स्थित विवेकानंद पब्लिक स्कूल में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों ने विद्यालय व आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय निदेशक एडवोकेट सुधीर यादव ने किया। विद्यार्थियों ने लोगों को स्लोगन व पोस्टरों के माध्यम से गंदगी से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए अपने आसपास सफाई रखने के लिए जागरूक किया व गंदगी न फैलाने का आग्रह किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक एडवोकेट यादव ने विद्यार्थियों से अपने घर व आसपास के क्षेत्र को साफ सुथरा कर भारत को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान देने की अपील की।

एमपीएचई एसोसिएशन का ऑनलाइन कार्य नहीं करने का लिया फैसला

- संसाधनों की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। एसएमओ जितन्द्र को ज्ञापन सौंपते एसोसिएशन के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरावड़ा में एमपीएचई एसोसिएशन ब्लॉक गुरावड़ा की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान अशोक कुमार ने की। बैठक का मुख्य मुद्दा ऑनलाइन पोर्टल पर कार्य नहीं करना था। वक्ताओं ने कहा कि एमपीएचडब्ल्यू मेल व फिमेल वर्षो से अपने निजी मोबाइल से ऑनलाइन कार्य करते आ रहे है, परंतु इतने वर्षों से मोबाइल में ऑनलाइन करते रहने से कर्मचारियों की आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है तथा शारीरिक और मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन ऑनलाइन का कार्य बढ़ता जा रहा है विभाग से काफी लंबे समय से तेज गति इंटरनेट, वाई-फाई या लैपटाप की मांग की हुई है, लेकिन कर्मचारी इस युग में हम आज भी इन संसाधनों से वंचित है। बैठक में एमपीएचई एसोसिएशन ब्लॉक गुरावड़ा ने ऑनलाइन कार्य को पूर्ण रूप से बंद करने का फैसला लिया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि जब तक विभाग की ओर से मुख्य संसाधन उपलब्ध नहीं कराएं जाते तब तक ऑनलाइन कार्य बंद रहेगा। इस मौके पर एसोसिएशन की ओर से एसएमओ जितेन्द्र को मांग पत्र भी सौंपा गया। इस मौके पर एचआई बिरेन्द्र सिंह, एचआई हंसराज, एलएचवी मुकेश, अरुण कुमार, माशूक अली, कृष्ण, कांता देवी, मनीता देवी, रेखा राव, मंजीता, अनूप कुमार, कृष्ण कुमार, कोमल देवी, मुकेश देवी, ललिता देवी, सरला बाई, पवन कुमार, भागोती देवी, कमलेश, सुनीता, किरण, नीलम, रामवीर, सुदेश कुमारी, सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

प्रतियोगिता में दीक्षा ने प्रथम, नव्या ने द्वितीय व मंजू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया

विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छता व नो यूज ऑफ सिंगल यूज प्लास्टिक का संदेश

पर्यावरण संबंधी समस्याओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्कूल से साइकिल रैली को रवाना करते शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में सेवा पखवाड़ा के तहत गतिविधियों को आयोजन किया गया। प्राचार्य मनोज कुमार ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों का उद्देश्य सामाजिक मुद्दों पर आमजन को जागरूक करना था। कार्यक्रम प्रभारी अध्यापक मुकेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित खंड स्तरीय स्वास्थ्य जांच शिविर, शिक्षिका सुमित्रा के नेतृत्व में व्यावसायिक भ्रमण, स्वच्छता अभियान तथा प्रवक्ता नीतू कुमारी के नेतृत्व में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में दीक्षा ने प्रथम, नव्या ने द्वितीय व मंजू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अध्यापक मुकेश कुमार के नेतृत्व में हरियाणा हेरिटेज पर आधारित पीपीटी का निर्माण व प्रवक्ता कांता लहकरा के मार्गदर्शन में पर्यावरण संबंधी समस्याओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रश्नोत्तरी में दीप्ति और नव्या की टीम अव्वल रही

प्रश्नोत्तरी में दीप्ति और नव्या की टीम अव्वल रही। शारीरिक शिक्षक राजेश कुमार के नेतृत्व में स्वच्छता का संदेश देते हुए प्रभात फेरी का आयोजन व प्रवक्ता सोमबीर यादव के नेतृत्व में पौधारोपण अभियान, प्रवक्ता वैभव के नेतृत्व में बाल संसद का आयोजन, अध्यापक रविंद्र कुमार सैनी के नेतृत्व में हरियाणा के ऐतिहासिक स्थानों का भ्रमण तथा कला अध्यापक नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत थीम पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पेंटिंग में तनु, सिमरन व मनीष का बेहतरीन प्रदर्शन रहा। प्रवक्ता सोमबीर यादव के नेतृत्व में पर्यावरण संबंधी समस्याओं पर आधारित गेस्ट लेक्चर तथा प्रवक्ता विक्टोरिया के मार्गदर्शन में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। अभियान के समापन पर अध्यापक मुकेश कुमार के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता तथा नो यूज ऑफ सिंगल यूज प्लास्टिक का संदेश देते हुए साइकिल रैली निकाली गई। प्राचार्य मनोज कुमार ने मौलिक मुख्याध्यापक प्रेमचंद, गुरुकुल किशनगढ़ घासेड़ा से आचार्य सत्यदेव, घासेड़ा से सत्यप्रकाश, गंगायचा अहीर से सुनील कुमार, गंगायचा जाट से मोनिका यादव व एबीआरसी दिनेश कुमार के साथ साइकिल रैली को रवाना किया।